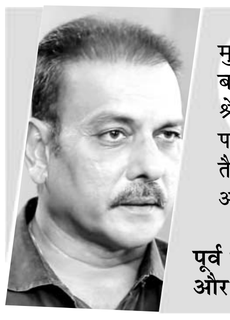

मुझे लगता है कि इस एक दिवसीय श्रृंखला से बहुत सारी सकारात्मकता चीजें सामने आई हैं। श्रेयस अय्यर रन बना रहे हैं, वह मुश्किल परिस्थितियों में क्रीज पर समय बिताने के लिए तैयार है। सूर्यकुमार के पास निश्चित रूप से क्षमता और प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।- रवि शास्त्री

पूर्व भारतीय कोच, श्रेयस अय्यर और सूर्य कुमार यादव के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ लक्ष्य प्रज्ञानानंदा

शतरंज के स्टार खिलाड़ी आर प्रज्ञानानंदा का मानना है कि विश्व चैम्पियन बनना एक वास्तविक संभावना है और उन्होंने यह उपलब्धि हासिल करने के लिए खुद को तीन से चार साल का समय दिया है। देश के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर्स में से एक 17 वर्षीय प्रज्ञानानंदा ने विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को केवल छह महीनों में तीन बार हराया जो उनके करियर के मुख्य आकर्षणों में से एक है। हाल ही में उन्होंने मेल्टवाटर शतरज चैंपियंस टूर फाइनल का अपना सर्वश्रेष्ठ मुकाबला खेलते हुए पोलैंड के ग्रैंडमास्टर यान-क्रिस्टोफ डुडा को हराया।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया के खब्बू स्पिनर फ्लीड वुड स्मिथ ने इंग्लैंड के विरुद्ध 1938 में 87 ओवर में 258 रनपर एकविकेट लिया था। ये आज तक एक टेस्ट पारी में किसी भी गेंदबाज द्वारा दिए गए सबसे ज्यादा रन हैं।

एक वर्ल्ड कप शेफाली के लिए काफी नहीं, विमेंस टीम इंडिया की ओपनर ने कहा-

अब तो सीनियर वर्ल्ड कप जीतकर ही लौटूंगी

पोचेस्ट्रूम, 30 जनवरी। शेफाली वर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर पहला विमेंस अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप जीत लिया। यह पहला मौका है जब भारत ने महिला क्रिकेट में किसी भी लेवल पर वर्ल्ड कप जीता है। इतनी बड़ी कामयाबी के बावजूद शेफाली संतुष्ट नहीं हैं। वे कहती हैं - ये तो बस शुरुआत है। शेफाली ने कहा कि साउथ अफ्रीका से वे सिर्फ इसी ट्रॉफी के साथ भारत नहीं जाना चाहती हैं। वे सीनियर टी-20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी भी जीतना चाहती हैं। यह टूर्नामेंट साउथ अफ्रीका में ही 10 फरवरी से शुरू हो रहा है। शेफाली इसमें भारत की सीनियर विमेंस टीम को रिप्रजेंट करेंगी।

शेफाली ने फाइनल मैच के बाद कहा कि, मैं उन खिलाड़ियों में से हूं जो एक समय पर एक ही टूर्नामेंट पर फोकस करती है। जब मैंने अंडर -19 वर्ल्ड कप कैंपेन शुरू किया तब मेरा फोकस सिर्फ इस टूर्नामेंट को जीतने पर था। अब मैं अपने कॉन्फिडेंस को आगे लेकर जाऊंगी और सीनियर वर्ल्ड कप भी जीतूंगी। अब मैं अंडर-19 के बारे में भूल कर अब सीनियर टीम पर फोकस करूंगी और हम साथ मिलकर वर्ल्ड कप जीतेंगे।

शेफाली ने 8 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था। महज 15 साल की उम्र में शेफाली ने टी-20 से इंटरनेशनल क्रिकेट में एंट्री की थी। 19 साल की उम्र में शेफाली वर्मा ने अंडर-19 क्रिकेट टीम की कप्तानी की।

भारतीय हॉकी टीम के कोच ग्राहक रीड ने इस्तीफा दिया

वर्ल्ड कप में 9वें नंबर पर रही थी टीम, ओलिंपिक और कॉमनवेल्थ मेडल जिताए

नई दिल्ली, 30 जनवरी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के हेड कोच ग्राहम रीड ने अपना पद छोड़ दिया है। पिछले दिनों हॉकी वर्ल्ड कप में भारत के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने यह कदम उठाया। इस बार का वर्ल्ड कप भारत में ही हुआ था और टीम इंडिया न्यूजीलैंड से हारकर बाहर हो गई थी। 58 साल के रीड के साथ सपोर्ट स्टाफ के कुछ सदस्यों ने भी इस्तीफा दिया।

कोच पद से इस्तीफा देते हुए ग्राहम रीड ने कहा, अपना पद छोड़ने और नई मैनेजमेंट को काम सौंपने का यही सही समय है। हॉकी इंडिया के साथ काम करना मेरे लिए गौरव के क्षण रहे। टीम इंडिया के साथ काम करते हुए मैंने सभी मोमेंट्स को एंजॉय किया।

सपोर्ट स्टाफ में एनालिटिक्स कोच ग्रेग क्लार्क और साइंटिफिक एडवाइजर मिचेल डेविड पेंबर्टन ने भी इस्तीफे दिए हैं। सभी जनवरी में नोटिस पीरियड पर रहेंगे और हॉकी इंडिया की परमिशन मिलने के बाद अपने पद से हट जाएंगे। भारत वर्ल्ड कप क्वार्टर फाइनल तक में प्रवेश नहीं कर सका और 9वें नंबर पर रहकर संतोष करना पड़ा। लेकिन, 6 महीने बाद ही भारत को एशियन गेम्स भी खेलना है और 2024 में पेरिस ओलिंपिक भी है। ऐसे में उनके पद छोड़ने का फैसला कितना सही है, ये तो आने वाला समय ही बताएगा। ग्राहम रीड के कोचिंग करियर का सुखद अंत तो नहीं हुआ। लेकिन, उन्होंने टीम इंडिया को अपनी कोचिंग में ओलिंपिक का ब्रॉन्ज मेडल जिताया है। टीम ने उनकी कोचिंग में ही बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स का सिल्वर मेडल भी जीता। फाइनल में टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। 15वें हॉकी वर्ल्ड कप में मेजबान भारतीय टीम इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स के साथ पूल डी में थी। भारत ने स्पेन को हराया और इंग्लैंड से ड्रॉ खेला। लेकिन, पहली बार वर्ल्ड कप खेल रहे वेल्स के खिलाफ टीम को 2 गोल पड़ गए। भारत 4-2 के अंतर से मैच तो जीत गया, लेकिन पूल-डी में दूसरे नंबर पर फिनिश करने के बाद टीम को क्रॉसओवर मैच खेलना पड़ा।

अगर भारत वेल्स के खिलाफ बड़े अंतर से जीतता तो पहले नंबर पर फिनिश करता और क्वार्टर फाइनल में भी पहुंच सकता था। क्रॉसओवर में टीम इंडिया का सामना न्यूजीलैंड से हुआ। जहां न्यूजीलैंड ने हमें पेनल्टी शूटआउट में हराकर चैंपियन बनने की रेस से बाहर कर दिया।

क्रॉसओवर हारने के बाद भारत ने 9वें से 16वें स्थान की टीम बनने के लिए मैच खेले। पहला मैच हमने जापान को 8-0 से हराया और दूसरा साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5-2 से जीता। दोनों मैचों में जीत के बाद भारत अर्जेंटीना के साथ संयुक्त रूप से 9वें नंबर पर रहा।

यूरोप में ही होगा रोनाल्डो के करियर का अंत : अल-नस्त्र कोच गार्सिया

रियाज, 30 जनवरी। अल-नस्त्र फुटबॉल क्लब के कोच रूडी गार्यिसा ने कहा है कि पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो अल-नस्त्र में अपना करियर खत्म नहीं करेंगे और जल्द ही यूरोप लौटेंगे।

गार्सिया ने यह बात लगातार दो मैचों में रोनाल्डो के गोल न कर पाने के बाद कही। सऊदी सुपर कप सेमीफाइनल में अल-नस्त्र को अल-इत्तेहाद के हाथों हारकर टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। पुर्तगाल के 37 वर्षीय फुटबॉलर इस क्लब में शामिल होने के बाद से एक बार भी गोल नहीं कर सके हैं।

गार्सिया ने कहा, क्रिस्टियानो रोनाल्डो टीम में एक महत्वपूर्ण जुड़ाव हैं क्योंकि वह डिफेंडरों को छिन्न-भिन्न करने में मदद करते हैं। गार्सिया ने हालांकि सेमीफाइनल में अल-इत्तेहाद के खिलाफ गोल से चूकने के लिये रोनाल्डो की आलोचना की।

चुनौती भरे विकेट पर खुद को शांत रखना काम आया : सूर्य कुमार

लखनऊ 29 जनवरी। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच में स्वाभाव से विपरीत धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी कर भारत के सिर जीत का सेहरा बांधने वाले प्लेयर आफ द मैच सूर्य कुमार यादव ने कहा कि चुनौतियों से भरे विकेट पर संयम से बल्लेबाजी करना काम आया।

इकाना स्टेडियम पर रविवार को खेले गये मैच के बाद सूर्य कुमार ने कहा इकाना की विकेट पर गेंद तेजी से घूम रही थी। यहां की परिस्थितियों के अनुकूल ढलना बहुत महत्वपूर्ण था। मुझे यह सुनिश्चित करना था कि मैं अंत तक बल्लेबाजी करूँ। मैंने नहीं देखा कि गेंद कहाँ गई। निश्चित रूप से यह एक चुनौतीपूर्ण विकेट था। हमें अंत में बस एक हिट की जरूरत थी और खुद को शांत करना बहुत महत्वपूर्ण था। इससे पहले कि मैं विजयी रन बना पाता, हार्दिक मेरे पास आए और मुझसे कहा कि तुम इस गेंद पर विजयी रन मारोगे। कप्तान की बात ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया और मै यह कर पाया।

कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा मुझे हमेशा विश्वास था कि हम खेल खत्म कर देंगे। इस तरह के खेल में घबराना महत्वपूर्ण नहीं है। जोखिम लेने के बजाय, हमने स्ट्राइक रोटेट की। यहां 120 का स्कोर भी जीत दिलाने में अच्छा माना जाता। हम अपनी योजनाओं पर कायम रहे, हमने सुनिश्चित किया कि वे (न्यूजीलैंड) स्ट्राइक रोटेट न कर पायें और विकेट गिरते रहे। ओस ने ज्यादा भूमिका नहीं निभाई।

हार से थोड़ा निराश न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने कहा यह क्रिकेट का शानदार खेल था। हमने अच्छी गेंदबाजी की। वास्तव में हम जीत के करीब आ गये थे। अगर हमारे पास 10-15 रन ज्यादा होते तो मैच का रूख कुछ और हो सकता था। जब आप बल्लेबाजी कर रहे होते हैं, तो आप निश्चित नहीं होते हैं कि कितना अच्छा स्कोर है। हम 140 की ओर देख रहे थे जबकि इस पिच पर 120 भी एक अच्छा स्कोर होता।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आगाज

मध्यप्रदेश, 30 जनवरी। देश के दिल मध्यप्रदेश में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आगाज हो गया है। इस दौरान जोरदार आतिशबाजी की गई। भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में सोमवार की शाम इसका औपचारिक उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम में सीएम शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर, केंद्रीय राज्यमंत्री निशीथ प्रामाणिक, मध्यप्रदेश की खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया, गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा टीटी नगर स्टेडियम में मौजूद रहे। मंच पर अभिलिप्सा पांडा ने हर हर शंभू भजन गाकर समां बांध दिया। गायिका नीति मोहन ने भी अपनी प्रस्तुति दी। कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। दक्षिण भारत के प्रसिद्ध ड्रम प्लेयर शिवामणि और ठ्ठुप ने एक भारत-श्रेष्ठ भारत की प्रस्तुति दी। सिंगर शान ने हर हर मैदान फतेह समेत कई गानों की शानदार प्रस्तुति से समां बांध दिया। मंच संचालन अभिनेता जय भानुशाली ने किया। सीएम शिवराज सिंह ने कहा कि देश के दिल में देश के कोने-कोने से आए बेटे-बेटियों का अभिनंदन करता हूं। खिलाड़ियों का भविष्य गढ़ने वाले और नए भारत का निर्माण करने वाले पीएम नरेंद्र मोदी को धन्यवाद। सीएम शिवराज सिंह ने कहा कि अनुराग जी आपने कहा मध्यप्रदेश सबका ध्यान रखें, मैं विशास दिलाता हूं हम अतिथि देवो भव का पालन करते हैं, मेहमानों की सेवा में कोई कमी नहीं रहेगी।

इकाना की 'चौंकाने' वाली पिच की हुई आलोचना

लखनऊ, 30 जनवरी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यहां खेले गये दूसरे टी20 के बाद इकाना स्टेडियम की पिच को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। भारत के वर्तमान टी20 कप्तान हार्दिक पांड्या ने न्यूजीलैंड पर करीबी जीत दर्ज करने के बाद इस पिच को 'चौंकाने वाला' बताया। न्यूजीलैंड ने रविवार को खेले गये मुकाबले में भारत के सामने मात्र 100 रन का लक्ष्य रखा, लेकिन इसे हासिल करने में पांड्या की टीम को 19.5 ओवर लग गये। यह पिच स्पिनरों के लिये इस कदर मददगार थी कि पूरे मैच के दौरान कोई भी बल्लेबाज छक्का नहीं लगा सका।

पांड्या ने मैच के बाद स्टार स्पोर्ट्स के साथ बातचीत में कहा, सच कहूं तो यह विकेट चौंकाने वाला था। दोनों मैचों में हमने जिस तरह के विकेट पर खेला है.... मुझे मुश्किल विकेट से कोई परेशानी नहीं है। मैं मुश्किल पिचों के लिये तैयार हूं लेकिन यह पिचें टी20 के लिये नहीं बनी हैं।

पहले टी20 के लिये रांची की पिच भी स्पिनरों के लिये मददगार थी, लेकिन इकाना स्टेडियम की पिच का स्तर अलग था। दोनों कप्तानों ने इस बात को भांप लिया और रविवार को 40 में से 30 ओवर स्पिनरों द्वारा फेंके गये। इससे पहले किसी टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में स्पिनरों द्वारा इतने ओवर नहीं फेंके गये थे।

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने मैच के बाद कहा कि वह स्पिनरों को ढूंढने की कोशिश कर रहे थे। सैंटनर ने कहा, यह क्रिकेट का बहुत अच्छा मुकाबला था। इसे इतना रोमांचक बनाने के लिये टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। अगर हमने 10-15 रन और बनाये होते तो फर्क पड़ सकता था लेकिन भारत को जीत दिलाने के लिये हार्दिक और सूर्यकुमार यादव ने बहुत अच्छा धैर्य दिखाया। मैं हर जगह से स्पिनरों को ढूंढने की कोशिश कर रहा था। मैंने लोकी फर्ग्यूसन से भी पूछा कि क्या वह ऑफ-स्पिन डाल सकते हैं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर और न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर जेम्स नीशम ने भी पिच को लेकर हार्दिक के विचारों से सहमति जताई। नीशम ने स्टार स्पोर्ट्स पर मैच के बाद कहा, मुझे नहीं लगता कि न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों की कमी थी।

शॉ के अंदर आग, उन्हें तीसरे टी-20 में मौका दें : कनेरिया

कराची, 30 जनवरी। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने सुझाव दिया है कि भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे और आखिरी टी20 मुकाबले में पृथ्वी शॉ को एकादश में शामिल करना चाहिये। कनेरिया ने अपने यूट्यूब चैनल पर जारी वीडियो में कहा, यह सीरीज का आखिरी मैच है। आपने देख लिया कि शुभमन गिल कैसा खेलते हैं। पृथ्वी शॉ एक प्रतिभावान युवा बल्लेबाज हैं। वह अपने आक्रामक खेल के लिये पहचाने जाते हैं। आप उन्हें शुभमन गिल की जगह टीम में ला सकते हैं। शॉ के अंदर आग है। अगर वह लगातार खेलते हैं तो कमाल कर सकते हैं।

कनेरिया ने कहा, कोई संदेह नहीं कि शुभमन गिल एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं, लेकिन उन्हें अपनी कमियों पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्हें स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ अपने खेल को बेहतर करने की जरूरत है। भारत (दूसरा टी20) जीत गया है लेकिन सुधार की जरूरत है।

गिल ने अब तक अपने टी20 करियर के पांच मैचों में 15.2 की औसत और 128.82 के स्ट्राइक रेट से 76 रन बनाये हैं। दूसरी ओर, शॉ ने अपने करियर में सिर्फ एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला है जहां उन्हें बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में गिल ने सिर्फ 11 रन बनाये, हालांकि भारत ने छह विकेट से जीतकर तीन मैचों की सीरीज बराबर कर ली। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट के नुकसान पर 99 रन बनाये। इसके जवाब में भारत ने 19.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

एसबीआई अखिल भारतीय कबड्डी प्रतियोगिता में जयपुर मंडल ने पटाना मंडल को हराया

जयपुर, 30 जनवरी। अहमदाबाद मंडल के तत्वाधान में एक्का क्लब, अहमदाबाद में खेली जा रही अखिल भारतीय कबड्डी प्रतियोगिता 2022-2023 में जयपुर मंडल ने अपने पहले लीग मुकाबले में पटना मंडल को 48 के मुकाबले 7 अंकों से हराया। कप्तान सुरेश मीना की अगुवाई में जयपुर मंडल के खिलाड़ी सूरज मीना व रामसिंह गुर्जर ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया दिखाया। इस मैच में संदीप मील, महेश कुमार, रामलाल बाना, मेहुल चौहान, नरेंद्र शिवरन, सुभाष चंद्र शेखावत, श्रवण सिंह तंवर, गोविंद शर्मा, परमेश चंद एवं टीम मैनेजर चंद्र मोहन मीना ने भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

काला चश्मा गाने पर थिरकी अंडर-19 विमेंस टीम

वर्ल्ड कप जीतने के बाद किया सेलिब्रेट, राहुल द्रविड़ ने सीनियर मेंस टीम के साथ दी बधाई

नई दिल्ली, 30 जनवरी। इंडिया अंडर 19 विमेंस टीम ने इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर पहला विमेंस अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप जीतकर ने इतिहास रच दिया। टीम ने गाना काला चश्मा पर डांस करते हुए जीत का जश्न मनाया। जीत पर टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ ने भी टीम इंडिया के साथ अंडर 19 टीम को बधाई दी।

ने इंस्टाग्राम पर डांस मूव्स का वीडियो पोस्ट किया। कैप्शन में लिखा, मैदान पर जीत और उसके बाहर भी। वीडियो में, भारतीय टीम की प्लेयर्स जर्सी और मेडल के साथ काला चश्मा गामे पर डांस करते दिखाई दे रही हैं। प्लेयर्स ने हुक स्टेप को भी शानदार तरीके से किया।

भारतीय सीनियर टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने वर्ल्ड कप जीतने पर अंडर 19 विमेंस टीम को बधाई दी। द्रविड़ ने द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में द्रविड़ ने कहा, आज का दिन भारतीय महिला अंडर-19 टीम के लिए एक ऐतिहासिक दिन था। मई चाहता हूं कि अंडर 19 मेंस क्रिकेट के पूर्व कप्तान लड़कियों को संदेश दें।

इसके बाद, उन्होंने 2018 अंडर 19 वर्ल्ड कप विनर कप्तान पृथ्वी शॉ को माइक दिया। पृथ्वी ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक बड़ी उपलब्धि है। बधाई हो, शाबाश। इंडिया विमेंस टीम किसी भी लेवल पर पहली ही बार वर्ल्ड चैंपियन बनी है। जूनियर लेवल पर ने पहली बार वर्ल्ड कप आयोजित कराया।

भारत ने इससे पहले 2005 और 2017 का वनडे वर्ल्ड कप फाइनल खेला, लेकिन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से हार गए। वहीं, 2020 के टी-20 वर्ल्ड कप में भारत को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, 2022 के बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स के फाइनल में भी टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा।

स्मिथ को मिला ऐलन बॉर्डर पुरस्कार

मेलबर्न, 30 जनवरी। स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया में साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर को मिलने वाला 'ऐलन बॉर्डर' मेडल सोमवार को चौथी बार हासिल कर लिया। स्मिथ को इस पुरस्कार के लिये हुए चुनाव में 171 मत मिले, जबकि उनके सबसे करीबी प्रतिद्वंदी ट्राविस हेड ने 144 मत प्राप्त किये। स्टीव इससे पहले 2015, 2018 और 2021 में यह पुरस्कार हासिल कर चुके हैं। वह रिकी पॉन्टिंग और माइकल क्लार्क के बाद यह पुरस्कार चार बार पाने वाले तीसरे क्रिकेटर हैं।

कंगारू क्रिकेट टीम के कप्तान रह चुके स्मिथ ने 32 मैचों में 1524 रन बनाये, जिसमें चार शतक शामिल रहे। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 71.92 की औसत से 863 रन जोड़े और ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट की नंबर एक रैंकिंग पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इसी बीच, बेथ मूनी को ऑस्ट्रेलिया की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर को मिलने वाला 'बेलिंडा क्लार्क मेडल' से सम्मानित किया गया। उन्होंने यह पुरस्कार दूसरी बार प्राप्त किया है जबकि इससे पहले उन्हें 2021 में इससे नवाजा गया था।

मुरली विजय ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

चेन्नई, 30 जनवरी। भारत के अनुभवी बल्लेबाज मुरली विजय ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। विजय ने कहा कि वह दुनियाभर में खेलने के अवसर तलाशना जारी रखेंगे और खेल के व्यावसायिक पक्ष को भी खंगालेंगे।

विजय ने ट्विटर पर जारी बयान में कहा, आज मैं अपार कृतज्ञता और विनम्रता के साथ अंतराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा करता हूं। साल 2002-2018 तक का मेरा सफर मेरे जीवन के सबसे बेहतरीन वर्ष रहे हैं। खेल के सबसे बड़े स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिये सम्मान की बात रही है।

सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने वाले विजय ने 2008 में भारत के लिये पदार्पण करने के बाद 61 टेस्ट,

17 एकदिवसीय और नौ टी20 अंतराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। उन्होंने भारत के लिये अपना आखिरी मैच दिसंबर 2018 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में खेला, जिसके बाद उन्हें दोबारा टीम में तलब नहीं किया गया।

विजय ने कहा, मैं भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड, तमिलनाडु क्रिकेट संघ, चेन्नई सुपर किंग्स और चेंप्लास्ट सनमर द्वारा मुझे दिये गये मौकों के लिये उनका आभारी हूं। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैं क्रिकेट की दुनिया में और उसके व्यावसायिक पक्ष में नये अवसर तलाशता रहूंगा।

सीमित ओवर क्रिकेट में विजय का बल्ला जमकर नहीं बोल सका, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने कई यादगार पारियां खेलीं। अपने दूसरे टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ 87 रन बनाकर विजय ने एकादश में अपनी जगह पक्की कर ली। इसके बाद उन्होंने अक्टूबर 2010 में भी एक शतक जड़ा, लेकिन लगातार प्रदर्शन न करने के कारण उन्हें टीम से बाहर बैठा दिया गया। उन्हें 2013 में ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध घरेलू टेस्ट सीरीज के लिये एक बार फिर टीम में तलब किया गया। उन्होंने टीम प्रबंधन के भरोसे का मान रखते हुए चार टेस्ट मैचों में दो विशाल शतक जड़े।

विजय ने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के दौरों पर भी कुछ अच्छी पारियां खेलीं, लेकिन 2018 में रनों का सूखा पड़ने के कारण उन्हें आखिरी बार टीम से बाहर कर दिया गया।

विजय ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 106 पारियों में 2619 रन बनाये, जिसमें दो शतक और 13 अर्द्धशतक शामिल रहे। आईपीएल में उनका सबसे यादगार साल 2011 रहा जब उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के लिये खेलते हुए अपने दोनों शतक जड़े और फाइनल में 95 रन की मैच जिताऊ पारी खेली।

रिद्धी के लिए पिता ने पहले खुद सीखी थी तीरंदाजी

जबलपुर, 30 जनवरी। पांचवीं बार खेलो इंडिया यूथ गेम्स में हिस्सा लेने जा रही हरियाणा के करनाल की तीरंदाज रिद्धि की कहानी औरों से जुदा है। आमतौर पर खिलाड़ी पहले अपनी पसंद के खेल को चुनता है और फिर गुरु की तलाश पूरी कर उसमें महारथ हासिल करता है, लेकिन रिद्धि के पिता ने अपनी बेटी के लिये तीरंदाजी को चुनने के बाद पहले खुद इसे सीखा और फिर बेटी के पहले गुरु बने। आइस क्यूब का बिजनेस करने वाले मनोज कुमार की इस लगन का नतीजा ही है कि उनकी 18 साल की बेटी पांचवीं बार खेलो इंडिया यूथ गेम्स की शोभा बढ़ाने जा रही है। दो साल पहले रिद्धि को भारत सरकार की 'टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के विकासशील युवाओं की सूची में जगह मिली थी। रिद्धी मानती हैं कि हर बीतते साल के साथ खेलो इंडिया यूथ गेम्स बेहतर हुए हैं और यह युवा खिलाड़ियों के लिये एक बेहतरीन मंच बन चुका है।

रिद्धि ने 2018 में नयी दिल्ली में आयोजित पहले खेलो इंडिया स्कूल गेम्स में हिस्सा लिया था, जहां वह आठवें स्थान पर रहीं। पुणे में वह चौथे स्थान पर रही थीं, जबकि गुवाहाटी में उसने अपने प्रदर्शन को बेहतर करते हुए कांस्य पदक जीता था। पिछले साल पंचकूला में हुए खेलों में रिद्धि ने अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके स्वर्ण पदक जीता था।

अपने अंतिम यूथ खेलों में हिस्सा ले रहीं रिद्धि ने कहा, मेरे पापा खुद तीरंदाजी कोच हैं। उन्होंने मुझे सिखाने के लिये पहले खुद तीरंदाजी सीखी है। वह अब करनाल में और कुरुक्षेत्र में अकादमी में कोचिंग देते हैं। मैं जहां से हूं, वहां आसपास कोई तीरंदाजी अकादमी या कोच नहीं है, लिहाजा मेरे पापा ने गुरुग्राम से तीरंदाजी सीखी फिर मुझे लकड़ी के कमान पर सिखाई। मैंने चार साल लकड़ी की कमान चलायी है। फिर 2016 में मैंने मुड़ा हुआ धनुष इस्तेमाल करना शुरू किया। मेरे पापा का मानना था कि तीरंदाजी एक व्यक्तिगत खेल है और इसमें दूसरे खेलों की तरह चोटें कम लगती हैं।

अपने छोटे से करियर में रिद्धि भारत की सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिये भी खेल चुकी हैं। पिछले साल वह फरवरी में फुकेट में आयोजित जूनियर एशिया कप में खेली थीं, जहां उन्हें दो रजत पदक (मिश्रित टीम और टीम) मिले थे। उसके बाद रिद्धि ने हरियाणा की ओर से मार्च 2022 में सीनियर नेशनल खेला जहां उनके नाम सोना आया था। वह इसके बाद एशियाई खेलों के लिये राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण (साई) के सोनीपत शिविर में ट्रायल्स में शरीक हुईं और टीम में चुनी भी गयीं, हालांकि कोरोना के कारण एशियाई खेल टाल दिये गये।

रिद्धि ने अंतरराष्ट्रीय स्तर के अपने सफर पर कहा, विश्व कप के लिये ए और बी टीमें बनी थीं। मैं ए टीम में थी और तीन विश्व कप खेली। पहला विश्व कप तुर्की में हुआ जिसमें मेरा मिश्रित टीम में मेरे प्रेरणास्त्रोत तरुणदीप राय सर के साथ स्वर्ण पदक आया। अगला विश्व कप मई में कोरिया में हुआ जहां मेरी टीम कांस्य पदक जीती। जून में पेरिस विश्व कप में हालांकि मुझे कोई पदक नहीं मिला।

साई सोनीपत सेंटर में दिन में सात-आठ घंटे अभ्यास करने वाली रिद्धी ने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स युवाओं को प्रेरणा देने वाला मंच है। रिद्धि ने यूथ गेम्स में पहली बार हिस्सा ले रहे खिलाड़ियों को संदेश देते हुए कहा, अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दें और दबाव लेने से बचें क्योंकि तीरंदाजी एक ऐसा खेल है जहां दिल की धड़कनें बढ़ने से निशाना चूकने का अंदेशा रहता है।

पूर्व बिशप चंदू लाल की स्मृति में कबड्डी टूर्नामेंट आयोजित

अमृतसर, 30 जनवरी। पंजाब के पारंपरिक खेलों को जीवित रखने और ग्रामीण जनता को सशक्त बनाने के अपने प्रयासों के मद्देनज़र डायोसिस ऑफ़ अमृतसर (डीओए), चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया (सीएनआई) ने अपने पूर्व बिशप और मॉडरेटर, मोस्ट रेवरेंड डॉ. आनंद चंदू लाल की स्मृति में गांव सूफ़ियां में कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन किया। 'बिशप आनंद चंदू लाल मेमोरियल कबड्डी कप' में छह टीमों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गयी। बाबा बुड्ढा क्लब (रामदास) ने यह खिताब जीता जबकि आनंद स्पोर्ट्स अकादमी (सूफ़ियां) की टीम उपविजेता रही।

डीओआई के बिशप द मोस्ट रेवरेंड डॉक्टर पी के सामंताराय इस टूर्नामेंट में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। बिशप सामंताराय ने बिशप चंदू लाल को एक योद्धा करार देते हुएकहा कि वह लैंगिक समानता में विश्वास रखते थे और उन्होंने कहा, बिशप चंदू लाल ने कभी भी चुनौतियों को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया, अपितु वह अपने कार्यकाल के दौरान डायोसिस द्वारा शुरू की गयी पहलों के माध्यम से जनता को एकजुट करने और उन्हें सशक्त बनाने के लक्ष्यों की ओर बढ़ते रहे। यह कबड्डी टूर्नामेंट उनके कभी हार न मानने वाले जज़्बे को एक श्रद्धांजलि है।